महला की कलम से

सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।
मोबाइल 9460557355

अतीत की धड़कन, भविष्य की दिशा

ऐतिहासिक दस्तावेजों और अभिलेखों के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 9 जून को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) द्वारा किया जाता है, जो विश्वभर में अभिलेखों के संरक्षण और प्रबंधन के क्षेत्र में प्रमुख संस्था है।इस दिवस का इतिहास भी अत्यंत रोचक है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के तत्वावधान में 9 जून 1948 को अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार परिषद (आईसीए) की स्थापना हुई थी। बाद में वर्ष 2007 में आईसीए की आम सभा में यह निर्णय लिया गया कि परिषद के स्थापना दिवस को ही प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप पहला आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस 9 जून 2008 को आयोजित किया गया। इस दिवस का मूल उद्देश्य इतिहास, संस्कृति और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने वाले अभिलेखागारों के महत्व को रेखांकित करना है। वास्तव में, अभिलेखागार केवल पुराने कागजों का संग्रह नहीं हैं, बल्कि वे किसी समाज, राष्ट्र और सभ्यता की सामूहिक स्मृति होते हैं। वे हमारी पहचान, अधिकारों और विरासत के संरक्षक हैं तथा अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि दुनिया का सबसे प्राचीन अभिलेख मिट्टी की पट्टियों पर अंकित व्यापारिक लेन-देन का विवरण माना जाता है। समय के साथ अभिलेखों का स्वरूप बदलता गया और आज इनमें सरकारी दस्तावेज, नक्शे, तस्वीरें, फिल्में, ऑडियो रिकॉर्डिंग, ई-मेल तथा डिजिटल फाइलें भी शामिल हैं। अनेक अभिलेखागारों में ऐसे संवेदनशील और गोपनीय दस्तावेज भी सुरक्षित रखे जाते हैं जिन्हें 'डार्क आर्काइव्स' कहा जाता है। इन अभिलेखों को संरक्षित तो रखा जाता है, लेकिन उनकी सामग्री को आम जनता अथवा शोधकर्ताओं के लिए कई दशकों तक उपलब्ध नहीं कराया जाता।अभिलेखों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि किसी देश के कानूनों, युद्धों, स्वतंत्रता आंदोलनों, सरकारी निर्णयों और सामाजिक परिवर्तनों से जुड़े मूल दस्तावेज इन्हीं में सुरक्षित रहते हैं। सरकारी अभिलेख प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नई दिल्ली स्थित भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार में मुगल काल, ब्रिटिश शासन और स्वतंत्र भारत से जुड़े लाखों मूल्यवान दस्तावेज संरक्षित हैं, जो शोधकर्ताओं और इतिहासकारों के लिए अमूल्य धरोहर हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि अभिलेख केवल इतिहास को संरक्षित नहीं करते, बल्कि संकट के समय लोगों के अधिकारों की रक्षा भी करते हैं। युद्ध, बाढ़, भूकंप या आग जैसी आपदाओं के बाद नागरिकों की पहचान, संपत्ति और कानूनी अधिकारों को प्रमाणित करने में अभिलेख महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसी कारण इन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखी जाने वाली अमूल्य विरासत माना जाता है।वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का युग है। सूचनाओं के तीव्र प्रवाह और तकनीकी परिवर्तनों के बीच प्रामाणिक दस्तावेजों को सुरक्षित रखना पहले की अपेक्षा अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। इसी संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि अपने अतीत को सुरक्षित रखे बिना हम एक सशक्त और जागरूक भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते।

विधवा या परित्यक्ता कर्मचारी हो तो प्रमाण पत्र दिखाओ

स्वास्थ्य विभाग में तबादले के लिए शर्त, एसडीएम या कोर्ट का सर्टिफिकेट जरूरी

इंदौर। मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की तबादला नीति ने उसे चर्चाओं में ला दिया है। इस नीति में विधवा और परित्यक्ता महिला कर्मचारियों से इसका सबूत मांगा गया है। कहा गया है कि तबादला चाहने वाली ऐसी कर्मचारियों को अब एसडीएम या कोर्ट से प्रमाण पत्र लेकर यह साबित करना होगा कि वे वास्तव में विधवा या परित्यक्ता हैं।

इन महिला कर्मचारियों को ऑनलाइन आवेदन के साथ शपथ पत्र के अलावा एसडीएम या कोर्ट द्वारा जारी लिखित प्रमाण पत्र अपलोड भी करना होगा। इसी तरह अगर 18 साल से कम उम्र की संतान के लिए महिला या पुरुष कर्मचारी एकमात्र देखरेख करने वाला है तो उसे तबादला आवेदन के साथ शपथ पत्र या एसडीएम या कोर्ट का प्रमाण पत्र लगाना होगा।

ये भी बता दें कि सिर्फ स्वास्थ्य विभाग ने ही अपनी तबादला नीति में ऐसी शर्त को शामिल किया है। हाल ही में जारी स्कूल शिक्षा विभाग की तबादला नीति में ऐसी किसी शर्त का जिक्र नहीं है। ऐसी महिला कर्मचारियों को सिर्फ उस ऑप्शन पर टिक करना है।

उनसे कोई दस्तावेज नहीं मांगा गया है। इसी तरह दूसरे सरकारी विभागों में भी ऐसा नहीं किया गया। अब सवाल यह है कि सिर्फ स्वास्थ्य विभाग ने ऐसी शर्त क्यों लागू की?

आवेदन सिर्फ ऑनलाइन ही लेगा विभाग

स्वास्थ्य विभाग ने ये भी स्पष्ट किया है कि राज्य स्तर पर होने वाले तबादलों के आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकारे जाएंगे।

इसके लिए ई-एचआरएमएस पोर्टल के जरिए आवेदन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। नई नीति के अनुसार, 8 जून से 12 जून तक तबादलों के लिए आवेदन किए जा सकते हैं।

आवेदनों की जांच-पड़ताल 13 जून तक

ट्रांसफर के लिए तकनीकी और प्रशासनिक गाइडेंस देने विभाग ने हर जिले में मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी को हेल्प डेस्क खोलने के निर्देश भी दिए हैं।

तबादला चाहने वाले अधिकारी-कर्मचारी अपने व्यक्तिगत ईएचआरएमएस लॉगिन आईडी, रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर या आईएफएमआईएस आईडी का उपयोग कर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदक को तबादले के लिए अधिकतम पांच जगह चुनने का अधिकार होगा।

प्रोबेशनर और तीन साल की सेवा पूरी न कर पाने वाले स्वैच्छिक स्थानांतरण के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे।

आवेदनों की जांच-पड़ताल 13 जून तक की जाएगी। सभी तबादले आयुक्त, लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा विभाग के डिजिटल हस्ताक्षर से होंगे। जिला स्तर पर तबादले की प्रक्रिया ऑफलाइन होगी।

बीमारी का प्रमाण पत्र देना भी जरूरी

स्वास्थ्य विभाग की तबादला नीति में यह भी कहा गया है कि स्वयं की गंभीर बीमारी और परिवार के सदस्य की गंभीर बीमारी जैसे कैंसर, किडनी फेल्योर, हृदय रोग, मानसिक रोग की स्थिति में मेडिकल बोर्ड, सिविल सर्जन या सीएमएचओ का प्रमाण पत्र देना जरूरी है।

विभाग ने यह भी कहा है कि अगर कोई कर्मचारी ऑनलाइन आवेदन के अलावा किसी अन्य माध्यम से तबादले के लिए प्रयास करता पाया जाता है तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विश्व पोहा दिवस पर 100 तरह के अनोखे पोहा व्यंजनों की प्रस्तुति

इंदौर समाचार प्रतिनिधि। विश्व पोहा दिवस का भव्य आयोजन इंदौर स्थित द हब में आयोजित किया गया। इस सामुदायिक उत्सव में फॉर्च्यून पोहा से तैयार 100 विभिन्न प्रकार के पोहा व्यंजनों का अनूठा प्रदर्शन किया गया। साथ ही, एक और रिकॉर्ड बनाने के प्रयास के तहत 1,000 से अधिक लोगों को एक साथ फॉर्च्यून पोहा परोसा गया।

इस आयोजन में शहरवासियों और खानपान प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भारत के सबसे लोकप्रिय नाश्तों में से एक पोहा को सम्मान दिया। साथ ही, इंदौर की 'भारत की पोहा राजधानी' के रूप में पहचान को भी विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

100 प्रकार के पोहा व्यंजनों की प्रदर्शनी ने इस लोकप्रिय पकवान की बहुमुखी प्रतिभा, क्षेत्रीय विविधता और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाया।

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए मुकेश मिश्रा ने कहा, पोहा केवल एक नाश्ता नहीं है, बल्कि भारत की खानपान संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है। पैकेज्ड पोहा श्रेणी के अग्रणी ब्रांड के रूप में हमारा उद्देश्य इसकी लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है, साथ ही गुणवत्ता और स्वच्छता के सर्वोच्च मानकों को सुनिश्चित करना भी है, खासकर ऐसे बाजार में जो अभी भी काफी हद तक असंगठित है। 'प्रसिद्ध इंदौरी शेफ उत्साह के राजू भैया के नेतृत्व में आयोजित इस विशाल सामूहिक पोहा भोज को डिजिटल और ग्राउंड-एक्टिवेशन अभियान के माध्यम से साकार किया गया। आयोजन में स्थानीय लोगों, फूड लवर्स और समुदाय के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1,000 से अधिक लोगों ने एक साथ फॉर्च्यून पोहा का आनंद लेकर इस रिकॉर्ड बनाने वाले उत्सव को यादगार बना दिया।

श्री सैनाचार स्वामी श्री अचलानंदाचार्य जी महाराज का चार दिवसीय मंगल प्रवास इंदौर में

इंदौर। प्रथम पीठाधीश्वर श्री सैनाचार स्वामी श्री अचलानंदाचार्य जी महाराज का चार दिवसीय मंगल प्रवास माँ अहिल्या की पावन नगरी इंदौर में होने जा रहा है। अत्यंत हर्ष और भक्तिभाव के साथ सूचित किया जाता है कि परम पूज्य महाराज श्री 9 जून 2026 को रणथंभौर एक्सप्रेस द्वारा इंदौर पधारेंगे।

इस गौरवमयी क्षण पर, सेन समाज इंदौर (पंजीकृत 94) के तत्वावधान में नगर की समस्त 19 पंचायतों के सर्वश्री सुभाष वर्मा सेन प्रदीप श्रीवास, अशोक चौहान, मुकेश सेन, वीरू सेन, निलेश सेन शेलु, संतोषजी शालूके एडवोकेट, दिलीप सेन ,कैलाश श्रीवास संदलपुर, दिनेश वर्मा अरिहंत, दिलीप टाक, मनोज वर्मा ,अमरचंद सेन, घनश्याम जी मंगरोलिया, छगनलाल श्रीवास, सुंदरलाल जी चौहान ,विवेक जी पगारे, विनीत जी सेन, कमल पवार ,रमेश चंद जी नागलिया, ओमप्रकाश वर्मा सेनाचार्य वाहिनी, जीतू जी वर्मा वेंकटेश राजेश सेन रामजी राम अवतार लक्ष्मण सेन नर्मदा प्रसाद जी मालवीय, गोविंद सेन, योगेश मालवीय श्री कमल पवार श्रीमती तरुण लता खटोड राजेश सेन रामजी बार-बर संगठनश्री मुकेश केलवा पश्चिम क्षेत्र बार-बर संगठन महेश चंदेल सनातनी सेन समाज के राजेश परिहार कमल वर्मा कान्हा टाक के नेतृत्व में एवं समस्त सेन बंधुओं द्वारा रेलवे स्टेशन पर महाराज श्री की भव्य अगवानी की जाएगी।

सूचना प्रसारण मंत्रालय के प्रिंसिपल एडवाइजर के.ए. बदरीनाथ होंगे मुख्य वक्ता

इंदौर। बदलते दौर में मीडिया के स्वरूप में भी काफी तब्दीलियां आई हैं। मीडिया के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे साथियों के लिए एक विशेष सोशियो मीडिया संवाद का आयोजन 9 जून को शाम 4 बजे इंदौर प्रेस क्लब में किया जा रहा है। सोशियो कम्युनिकेशन भोपाल के बैनर तले आयोजित इस संवाद का विषय मीडिया टेक्नोलॉजी, सिविलाइजेशन एंड पब्लिक डिसकोर्स रखा गया है। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुलभ सिंह ने बताया कि संवाद के मुख्य वक्ता सूचना प्रसारण मंत्रालय के प्रिंसिपल एडवाइजर तथा सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड एंड होलिस्टिक स्टडीज नई दिल्ली के निदेशक के.ए. बदरीनाथ होंगे। वरिष्ठ पत्रकार हेमंत उपाध्याय वार्ताकार की भूमिका में रहेंगे।

इंदौर जिले में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन पर ऑफसाइट इमरजेंसी ड्रिल आज

इंदौर। आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं आपदा प्रबंधन योजना के अंतर्गत गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा इंदौर जिले में आज 09 जून 2026 को प्रातः 11 बजे से ऑफसाइट इमरजेंसी ड्रिल (लेवल-3) का आयोजन गेल सीजीएस सेक्टर-ई, सांवेर रोड, भवानी नगर औद्योगिक क्षेत्र, अंवतिका गैस लिमिटेड सीएनजी स्टेशन के पास किया जाएगा।

यह मॉक ड्रिल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन से संबंधित संभावित आपातकालीन परिस्थितियों में विभिन्न विभागों की तत्परता, समन्वय एवं प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।

गेल (इंडिया) लिमिटेड देश की अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी है, जो प्राकृतिक गैस के परिवहन एवं वितरण के क्षेत्र में कार्यरत है। कंपनी द्वारा उज्जैन जिले के ग्राम चिकली स्थित खेड़ा कंप्रेसर स्टेशन के माध्यम से प्राकृतिक गैस का दबाव बढ़ाकर विभिन्न जिलों तक गैस का परिवहन किया जाता है। इससे जुड़ा पाइपलाइन नेटवर्क उज्जैन, इंदौर, धार, रतलाम, देवास, राजगढ़ एवं शाजापुर जिलों में संचालित है। ऑफसाइट इमरजेंसी ड्रिल के दौरान प्राकृतिक गैस पाइपलाइन से संबंधित संभावित दुर्घटना की काल्पनिक स्थिति निर्मित कर विभिन्न विभागों द्वारा राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया जाएगा। संबंधित विभागों एवं अधिकारियों से मॉक ड्रिल में सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु अपील की गई है। ड्रील संबंधी अधिक जानकारी के लिए मोबाईल नम्बर 9993062533 पर संपर्क किया जा सकता है।

अ.भा. बैरवा महासभा जिला इंदौर की नवीन कार्यकारिणी का गठन

इंदौर – अखिल भारतीय बैरवा महासभा जिला इंदौर द्वारा नवीन नगर कार्यकारिणी के गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन अभिनव कला समाजमें संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर.पी. रमनवाल (पूर्व अपर संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग) रहे। विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी रामकरण गोठवाल, मदनलाल मिमरोट एवं प्रदेश महामंत्री महेश जिनवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष राजेश जारवाल ने की।

समारोह का शुभारंभ भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर, पूज्य बालीनाथ जी महाराज एवं समाज रत्न झुतालाल जी जारवाल के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।जिला अध्यक्ष श्रीमहेश गोठवाल एवं जिला महामंत्री श्री मनोहर लोदवाल ने सभी अतिथियों का पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत किया। तत्पश्चात जिला महामंत्री श्री मनोहर लोदवाल द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की सूची का वाचन किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मदनलाल मिमरोट ने अध्यक्ष, महामंत्री सहित समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों को समाज सेवा, संगठन की मजबूती एवं समाजहित में कार्य करने की शपथ दिलाई। संचालन नंदकिशोर लोदवाल द्वारा किया गया।

आजीविका मिशन का दल शैक्षणिक भ्रमण हेतु गुजरात रवाना

इंदौर। आजीविका मिशन का दल शैक्षणिक भ्रमण हेतु गुजरात रवाना हुआ। क्षेत्रीय आलू क्लस्टर के विकास अंतर्गत 3 जिलों का 24 सदस्यीय दल गुजरात के बनासकांठा जिले में आलू पर आधारित गतिविधियों को देखने एवं सीखने के उद्देश्य से गए हैं।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा क्षेत्रीय आलू क्लस्टर का विकास तीन जिले इंदौर, देवास एवं उज्जैन को मिलाकर किया जा रहा है। दल में महिला स्व सहायता समूह की दीदियां, महिला किसान उत्पादक कंपनी के पदाधिकारी के साथ आजीविका मिशन के अधिकारी शामिल है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन आजीविका मिशन की तकनीकी सहयोग संस्था, एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से किया जा रहा है। इस भ्रमण का उद्देश्य आलू आधारित वैल्यू चेन गतिविधियों को समझना, आलू उत्पादन से लेकर विपणन एवं प्रसंस्करण तक की विभिन्न प्रक्रियाओं का अध्ययन करना तथा किसानों और उत्पादक संगठनों के लिए बेहतर आजीविका के अवसरों की जानकारी प्राप्त करना है।

कार्टून कोना...

महासती डॉ कुमुद लता जी महाराज के दर्शनार्थ इंदौर श्रावक संघ पहुंचा रतलाम, लिया आशीर्वाद

इन्दौर ।परम पूज्य, संयम शिरोमणि महासती डॉ.कुमुद लता जी महाराज साहब के दर्शन-वंदन हेतु आज इंदौर महावीर भवन श्रावक संघ का एक प्रतिनिधिमंडल जैन दिवाकर स्मारक रतलाम उपस्थित हुआ। इस अवसर पर इन्दौर संघ के पदाधिकारियों और श्रावको ने महासती जी के चरणों में भावभीनी वंदना की और उनका पावन आशीर्वाद प्राप्त किया।

भक्तिमय माहौल में महासती श्री महाप्रज्ञा जी ने मधुर भक्ति गीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र और भक्तिमय भजन के साथ हुई। इंदौर से पहुंचे श्रावक संघ ने अत्यंत हर्ष और उल्लास के साथ महासती जी के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा व्यक्त की।

महासती जी का पावन पाथेय (प्रवचन)

इस अवसर पर महासती श्री कुमुद लता जी महाराज ने उपस्थित संघ को संबोधित करते हुए कहा–

जीवन में धर्म, संयम और सेवा ही सच्चे सुख के मार्ग हैं। श्रावक संघ को हमेशा संगठित रहकर जीवदया और साधु-साध्वियों की वैयावच्च (सेवा) में अग्रणी रहना चाहिए।

महासती जी के मुखारविंद से बही ज्ञान गंगा को सुनकर जैन दिवाकर स्मारक जयकारों से गूंज उठा।

इंदौर संघ ने व्यक्त किए भाव

इंदौर श्रावक संघ के प्रमुख श्री रमेश भण्डारी ने महासती जी के त्यागमय संयमी जीवन की अनुकूलता की कामना की और उन्हें इंदौर चातुर्मास हेतु पधारने का भावभीना आमंत्रण (विनती) भी दिया। संघ के सदस्यों ने कहा कि महासती जी के दर्शन मात्र से ही जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

चातुर्मास के दौरान होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों की बनी रूपरेखा

महासती श्री कुमुदलता जी, महाप्रज्ञा जी,पद्म कीर्तिजी, राजकीर्ति जी आदि के साथ बैठकर संकल्प मय चातुर्मास में होने वाले विभिन्न आयोजनों,अनुष्ठान आदि की व्यवस्था को लेकर विस्तृत सारगर्भित चर्चा हुई।

ये रहे उपस्थित

इस गरिमामयी अवसर पर इंदौर श्रावक संघ के कार्याध्यक्ष अचल चौधरी,चातुर्मास प्रमुख डीपीन जैन, महामंत्री रमेश भण्डारी,चातुर्मास संयोजक प्रकाश भटेवरा,मंगल प्रवेश समिति संयोजक रितेश कटकानी,चातुर्मास समिति के राज कुमार जैन,अशोक मंडलीक, जिनेश्वर जैन,हेमंत बोहरा,ललित संचेती,सुरेश देशलहरा, वीरेन्द्र सुराणा आदि समाज के गणमान्य वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

इस अवसर रतलाम संघ के प्रमुख इंदरमल जैन ,महेंद्र बोथरा और जयंती लाल डांगी ने इन्दौर संघ का स्वागत किया ।

चातुर्मास प्रमुख डीपीन जैन का जन्म दिन होने से उन्हें महासती मण्डल ओर श्रावको ने बधाई प्रेषित की ओर मोती की माला, साफा, दुपट्टा,शाल आदि से स्वागत किया।

अंत में सभी ने सामूहिक रूप से महासती मंडल को सामूहिक वंदन किया और मांगलिक श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।